वार्षिक रिपोर्ट

2022-23

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com, वेबसाईट: http://www.upsbdb.org

प्रकाशक :

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक,
पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ
फोन नं0: 0522–4006746

वेबसाइट : http://www.upsbdb.org
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com

अनुक्रमणिका

क्रम सं0	विवरण	पृष्ठ सख्या
1	प्राक्कथन	1
2	बोर्ड बैठकें	2
3	जैव विविधता सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम	3
4	जैव विविधता कार्यक्रमों का आयोजन	4
5	परियोजना	5
6	वित्त एवं लेखा	6
7	प्रेस विज्ञप्ति	7

1-प्राक्कथन

परिचय

जैव विविधता जीवन की वायु, स्थल एवं वेटलैण्डस नदियों व समुद्री में रहने वाले पादप व प्राणि प्रजातियों की महान विविधता है।

जैव विविधता संरक्षण करना 21वीं शताब्दी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुददों में से एक है। यह संवहनीय (सस्टेनेबल) विकास एवं जलवायु परिवर्तन प्रदूषण व कूड़ा निस्तारण जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के साथ अन्तरंग रूप से जुड़ी समस्याओं की हल की कुंजी है।

पौधे व पशु जीवन के लिए अपरिहार्य है। ये भोजन औषधियों एवं वस्त्र व आवास निर्माण एवं साज सज्जा हेतु सामग्री उपलब्ध करवाते हैं। पीधे बाढ़ नियन्त्रण, भू क्षरण रोकने एवं वायु एवं जल से प्रदूशकों को छानने में सहायता करते हैं।

हमारी समृद्धि हेतु जैव विविधता अति आवश्यक है। प्राकृक्तिक ससार भू–दृश्यों का संजाल एवं देश में भ्रमण हेतु हमारे इच्छित स्थल हैं। अपने बगीचों व स्थानीय पार्को में भी हम वन्यजीवों को अत्यधिक सम्मान देते हैं। वन्य वनस्पतियां व पशु हम सबको प्राकृतिक जीवन चक्र एवं बदलते मौसम का अनुभव याद दिलाते हैं। यह पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए हमारे उत्तरदायित्व को केन्द्र में लाते है।

उत्तर प्रदेश एक विहंगम दृष्टि

1 मार्च, 2011 को 199,581,477, व्यक्तियों के साथ उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इण्डोनिशिया के बाद पाँचवे क्रम में आता है।

भारतीय पौराणिक आख्यान में वर्णित दो सर्वाधिक पवित्र नदियो गंगा व यमुना से सिंचित हमारे प्रदेश की सीमाएँ पूर्व में बिहार, दक्षिण में मध्य प्रदेश, पश्चिम में राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, उत्तर में उत्तराखंड तथा उत्तरी सीमा नेपाल राष्ट्र को छूती है। भारतीय रक्षा में इसका रणनीतिक महत्व है। प्रदेश का क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग कि०मी० है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह भारत का चौथा सबसे बड़ा प्रदेश है। केवल परिमाण की दृष्टि से इसका क्षेत्रफल फ्रास से आधा, पुर्तगाल का तीन चौथाई, आयरलैण्ड का चार गुना स्विटजरलैण्ड का सात गुना, बेल्जियम से दस गुना व इंग्लैण्ड के क्षेत्रफल से थोड़ा अधिक है।

उत्तर प्रदेश की पादप विविधता

2932 पौध प्रजातियों के साथ उत्तर प्रदेश की पादप विविधता देश के 6.45 प्रतिशत पादपों का प्रतिनिधित्व करती है। द्वितीयक स्रोत से एकत्र किए गए प्रारम्भिक ऑकडे उत्तर प्रदेश में पादप साम्राज्य के सम्बन्ध में निम्न प्रेक्षण सूचित करते हैं:–

पादप साम्राज्य के समूह	विश्व में प्रजातियों की संख्या	भारत में प्रजातियों की संख्या	उत्तर प्रदेश में प्रजातियों की संख्या	विश्व के सापेक्ष उ0प्र0 में प्रजातियों का प्रतिशत	भारत के सापेक्ष उ.प्र. की प्रजातियां का प्रतिशत
काई	40,000	7,182	301	0.75	4.19
कवक	72,000	14,588	935	1.29	6.40
लाईकेन्स	13,500	2,268	135	1.0	5.95
ब्रायोफाइट्स	16,600	2,451	72	0.43	2.93
टैरीडोफाइट्स	10,000	1,236	41	0.41	3.31
जिम्नोस्पर्म्स	650	69	06	0.92	8.69
एंजियोस्पर्म्स	2,50,000	17,643	1,442	0.57	8.17
योग	4,02,750	45,437	2,932	0.72	6.45

स्रोतः सैनी एट एल (2011) : पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशिष्ट संदर्भ में उत्तर प्रदेश की पादप विविधता उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशिष्ट संदर्भ में उत्तर प्रदेश की जैव विविधता संजीव नायक व डी.के. उप्रेती (2013) उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड लखनऊ द्वारा प्रकाशित लाईकेन्स ऑफ उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के लाईकेन)

उत्तर प्रदेश की प्राणि विविधता

अकशेरूकी व कशेरूकी जीवों की 2387 प्रजातियों के साथ उत्तर प्रदेश की प्राणि विविधता देश के 2.76 प्रतिशत प्राणि प्रजाति विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। राज्य की प्राणि विविधता निम्न सारणी में दर्शाई गई है:–

पशु साम्राज्य के समूह	विश्व में प्रजातियों की संख्या	भारत में प्रजातियों की संख्या	उत्तर प्रदेश में प्रजातियों की संख्या	विश्व के सापेक्ष उ0प्र0 में प्रजातियां का प्रतिशत	भारत के सापेक्ष उ0प्र0 में प्रजातियां का प्रतिशत
प्रोटोजोआ (मुक्त जीवी+परजीवी)	31,250	3,500	41	0.13	1.17
नीमाटोड (समस्त) मौलस्क	30,028	2,902	140	0.46	4.82
मौलस्क	66,535	5,169	47	0.07	0.90
आरथ्रोपोडा (इनसेक्टा)	10,20,007	63,423	1,445	0.14	2.27
आरथ्रोपोडा (अरकिन्डा)	73,451	5,850	15	0.02	0.25
पिसेस्	32,120	3,022	152	0.47	5.02
एम्फीबिया	6,771	342	25	0.36	7.30
रेप्टीलिया	9,230	526	77	0.83	14.63
एव्स	9,026	1,233	358	3.96	29.03
मैमेलिया	5,416	423	87	1.60	20.56
योग	12,83,834	86,390	2,387	0.18	2.76

स्रोतः वी.डी. हेगड़े व के. वेंकटरमन (2014) उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड लखनऊ द्वारा प्रकाशित इवेंटरी ऑफ फॉनल डाइवर्सिटी ऑफ उत्तर प्रदेश।

जैव विविधता अधिनियम, 2002

दिनांक 5 फरवरी, 2003 को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जैव विविधता अधिनियम, 2002 अधिसूचित किया गया। जैव विविधता अधिनियम भारतीय जैव विविधता संरक्षण एवं इसके दुरूपयोग के विरूद्ध सुरक्षा, पहुँच पर नियंत्रण एवं जैव विविधता व सम्बद्ध ज्ञान का चिरन्तन (सस्टेनेबल) उपयोग हेतु विधिक संरचना प्रदान करती है। जैव विविधता नियमावली 15 अप्रैल, 2004 को अधिसूचित हुई।

शासनादेश संख्या 1498/14–5–2006–57/2006 दिनॉक 20 सितम्बर, 2006 द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की स्थापना हुई। अधिसूचना संख्या 570/ग्प्ट–5–2010–57/2006 दिनॉक 09.04.2006 द्वारा उत्तर प्रदेश जैव विविधता नियमावली 2010 प्रख्यापित हुई।

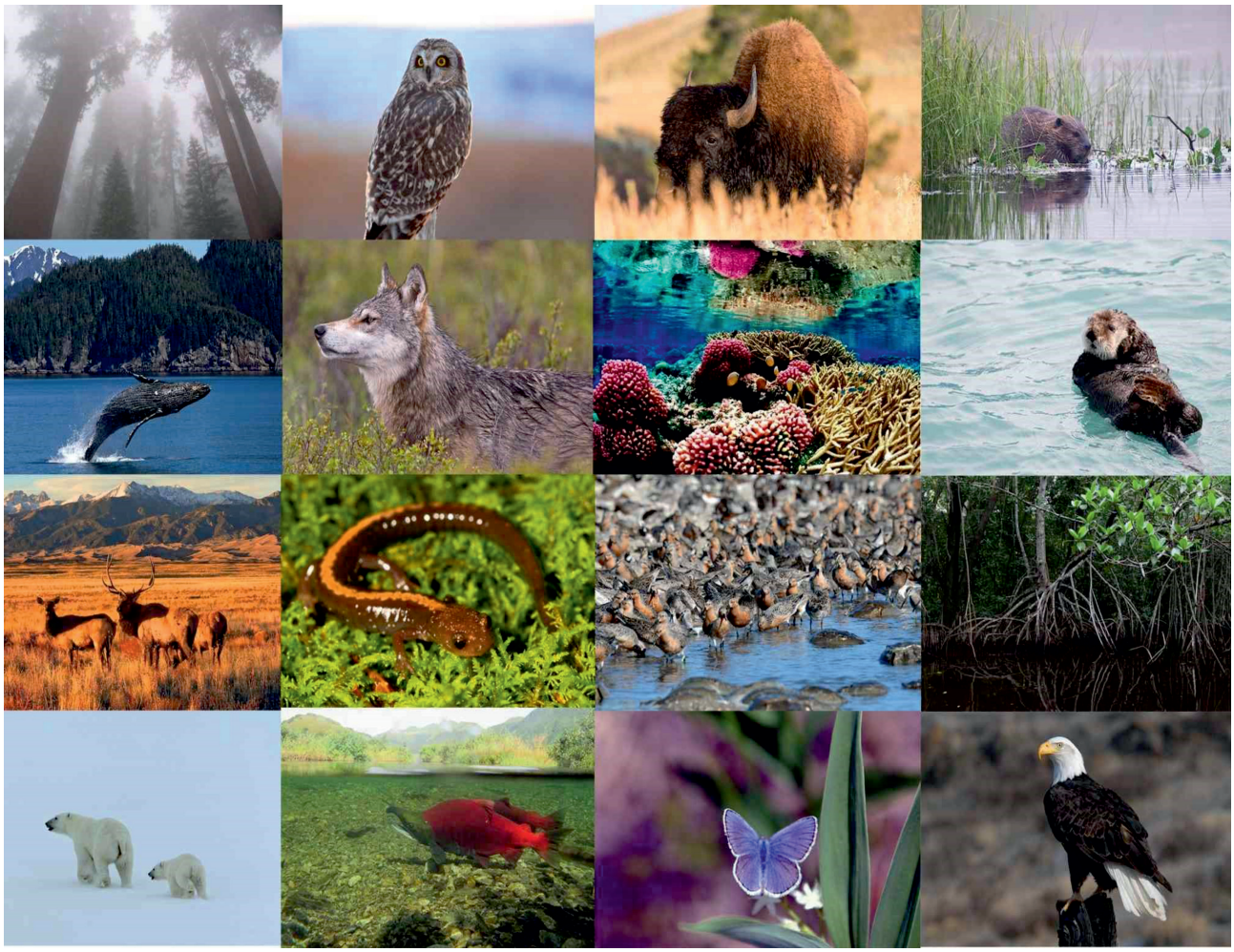

2-बोर्ड की बैठकें

2022-23 में आयोजित बोर्ड बैठक का संक्षिप्त विवरण

क्रम सं0	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
1	चौबीसवीं बैठक 28.03.2023	1	प्रस्तावना
		2	विगत बैठक दिनांक 22.03.2022 के कार्यवृत्त की पुष्टि का प्रस्ताव
		3	पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्यवाही
		4	जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन अध्ययन केन्द्र की स्थापना के सम्बन्ध में अवधारणा पत्र
		5	प्रदेश के शाकुम्बरी वन क्षेत्र को माँ शाकुम्बरी जैव विविधता रिजर्व घोशित करने के सम्बन्ध में अवधारणा पत्र
		6	वित्त एवं लेखा
		7	वन क्षेत्र के बाहर सामुदायिक भूमि पर अवस्थित समस्त 948 विरासत वृक्षों के उच्च गणुवत्ता के छायाचित्र लेने, वीडियो फिल्म बनाने, क्यूआर कोड आधारित सर्च सिस्टम विकसित करने एवं ''उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष'' नामक कॉफी टेबल बुक का संशोधित व उन्नत द्वितीय संस्करण तैयार करना
		8	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट 2019–20, 2020–21 व 2021–22 के अनुमोदन का प्रस्ताव
		9	निदेशक, फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउण्डेशन, एमेटी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा पत्र दिनांक 04.08.2022 के माध्यम से प्रस्तुत "Restoration of threatened/endangered wild Brassica species in their natural habitat and development of genetic and genomic resources resilient for their abiotic and biotic stresses" परियोजना के उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र निम्नानुसार है
		10	जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा–41(2) के अन्तर्गत जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा मॉगी गयी अनुमति (कन्सेन्ट) दिये जाने हेतु प्राप्त प्रस्ताव/आवेदन के सम्बन्ध में
		11	जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन की दिशा में किए गए कार्यो व प्रगति के सम्बन्ध में
		12	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एन0बी0आर0आई0) द्वारा पुस्तक "Trees of Uttar Pradesh" भाग-II प्रकाशित किये जाने के सम्बन्ध में
		13	उत्तर प्रदेश के विभिन्न मूल नस्ल पशु प्रजातियों का दस्तावेजीकरण हेतु प्रस्ताव
		14	आचार्य नरेन्द्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी, कुमारगंज, अयोध्या से वित्त पोषण हेतु प्राप्त प्रस्ताव
		15	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता (22 मई, 2022)
		16	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड नए परिसर में स्थापित किया जाना
		17	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड में प्रतिनियुक्ति/संविदा के माध्यम से मानव संसाधन की आपूर्ति
		18	विद्यार्थियों में जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन संस्कार के रूप में विकसित करने हेतु लघु फिल्म तैयार कर लघु फिल्म का प्रसारण किया जाना
		19	बोर्ड की नयी उपलब्धियाँ– अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन
		20	अन्य कोई बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

3-जैव विविधता सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम

जैव विविधता सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण से वित्त पोषित ''जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम'' हेतु प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई।

प्रदेश के 04 जनपदों में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं के आयोजन का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः–

- वित्तीय वर्ष 2022–23 में मथुरा, गोण्डा, मेरठ एवं बहराइच जनपदों में निम्नानुसार कार्यशालायें आयोजित की गईंः–

कम सं0	जनपद का नाम	कार्यशाला आयोजन स्थल	कार्यशाला आयोजित करने का दिनांक
	मेरठ	हस्तिनापुर	13.10.2022
	मथुरा	मथुरा	23.11.2022
	गोण्डा	गोण्डा	08.12.2022
	बहराइच	कतर्नियाघाटवन्य जीवविहार, मोतीपुर	28.02.2023

- कार्यशालाओं में जैव विविधता प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों/सदस्यों, विभिन्न लाईन डिपार्टमेण्ट्स–वन, कृषि, मत्स्य, उद्यान एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। उक्त के अतिरिक्त सम्बन्धित जनपदों के प्रशासनिक अधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी, नगर विकास विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग के प्रतिनिधियों सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के प्रतिनिधियों ने भी कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
- आयोजित कार्यशालाओं को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सलाहकार, श्री आशुबोध कुमार पन्त ने रिसोर्स पर्सन के रूप में सम्बोधित किया।
- कार्यशाला में जैव विविधता अधिनियम, 2002, जैव विविधता नियम, 2004, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता नियमावली, 2010 एवं 'जैविक संसाधनों तक पहुँच और सहयुक्त जानकारी तथा फायदा बँटाना विनियम, 2014 के सुसंगत प्राविधानों, जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के गठन, मुख्य कार्य, जैव विविधता संरक्षण में जैव विविधता प्रबन्ध समितियों की भूमिका एवं राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा जन जैव विविधता पंजिका तैयार करने हेतु दिये गये मार्ग निर्देश व प्रपत्रों के सम्बन्ध में विस्तार से अवगत कराया गया।

जनपद मेरठ में जैव विविधता सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम

जैव विविधता कार्यशाला

कार्यशाला का औपचारिक शुभारम्भ प्रातः 10:00 बजे श्री गंगा प्रसाद, वन संरक्षक, मेरठ के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् मुख्य वक्ता श्री आशुतोष पन्त (से0नि0) सलाहकार बोर्ड द्वारा जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार व्यक्त किये:-

1- जैव विविधता संरक्षण की आवश्यकता पृथ्वी को मानव के लिए रहने योग्य बनाने हेतु वनस्पतियों, पक्षियों, जलीय जीवों, वन्य जीवों का उपयोग बताते हुए जैव विविधता अधिनियम 2002, जैव विविधता अधिनियम 2004, उ0प्र0 राज्य जैव विविधता नियमावली 2010, जैविक संसाधनों तक पहुँच और उसमें युक्त जानकारी तथा फायदा बताना नियम 2014 की जानकारी दी गई। जैव विविधता के क्रियान्वयन की त्रिस्तरीय प्रणाली-

1- राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण,

2- राज्य जैव विविधता बोर्ड,

3- जैव विविधता प्रबन्ध समिति,

पंचायत स्तर पर जैव विविधता प्रबन्ध समिति के गठन का प्राविधान के विषय में विस्तार से वक्तव्य दिया गया। जिसमे ग्राम पंचायत एवं नगर निकाय में जैव विविधता प्रबन्ध समितियों में एक अध्यक्ष सहित स्थानीय निकाय द्वारा नामित अधिकतम 06 सदस्यों का प्राविधान होता है। प्रबन्ध समितियों का कार्यकाल 03 वर्ष निर्धारित है। जिसका नाम जैव विविधता प्रबन्ध नियोजन एवं विकास समिति होगा।

जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के दायित्व एवं विकास समिति:- जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के दायित्व के विषय में जानकारी दी गई। जिसमें जन जैव विविधता पंजिका (पी0बी0आर0) बनाकर उसमें अंकित की जाने वाली सूचनायें। जैसे- क्षेत्र का मानचित्र, अध्ययन क्षेत्र का विवरण, सामान्य विवरण, सामाजिक आर्थिक विवरण, अजैविक संसाधन, भू-संसाधन, जल संसाधन आदि अंकित करने के विषय में बताया गया।उसके उपरान्त निम्न विषय पर श्री आशुतोष पन्त (से0नि0) के द्वारा व्याख्यान दिया गया-

-- 2 --

(क) 1- पंचायत की जैव विविधता प्रबन्ध समिति (पी0एम0सी0) का विवरण।

2- वैद्य, हकीम तथा पारम्परिक स्वास्थ्य चिकित्सकों (मानव एवं पालतू पशुओं) की सूची, जो ग्राम की अधिकारिता क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध जैव संसाधनों का उपयोग करते हो।

3- ग्रामीण द्वारा कथित रूप से कृषि, मत्स्य पालन तथा वानिकी से सम्बन्धित जैव विविधताओं के सम्बन्ध में पारम्परिक ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों की सूची।

4- स्कूल, कॉलेज, विभाग, विश्वविद्यालय, राजकीय संस्थानों, गैर सरकारी संस्थाओं तथा व्यक्तियों का विवरण, जन जैव विविधता रजिस्टर बनाये जाने की प्रक्रिया में सम्मिलित रहे हो।

5- जैविक संसाधनों तथा पारम्परिक ज्ञान तक पहुँच का विवरण लगाये गये संग्रह शुल्क तथा प्राप्त लाभ एवं उसके प्रयोजन का विवरण।

(ख) कृषि जैव विविधता-

1- फसली पौधे,
2- फलदार पौधे,
3- चारा फसल,
4- खरपतवार,
5- फसलों के कीट,
6- पालतू पशुओं के लिए बाजार,
7- मानव,
8- भू-दृश्य,
9- जल दृश्य,
10- मृदा के प्रकार,
11- फलदार वृक्ष,
12- औषधीय पौधे,
13- शोभाकार पौधे/वृक्ष/लता आदि,
14- प्रकाष्ठीय पौधों/वृक्ष,
15- पालतू पशु,
16- मत्स्य पालन,

-- 2 --

- 3 -

17- पालतू पशुओं, औषाधियों पौधों व अन्य उत्पाद के बाजार/मेला,
18- वृक्ष झाँडियाँ, जडी बूटियाँ, कन्द, घास, लता आदि
19- जंगली प्रजातियों के महत्वपूर्ण पौधे,
20- जलीय जैव विविधता,
21-जंगली व जलीय पौध प्रजातियों का महत्व,
22- औषधिय महत्व की जंगली वनस्पतियाँ,
23- फसलों के जंगली सम्बन्धी,
24-शोभाकार पौधे,
25-धूमक/चबाई जाने वाली वनस्पतियाँ,
26- प्रकाष्ठीय पौधे,
27-तटीय व समुद्री वनस्पति एवं जीव जन्तु,
28- वन्य जीव जन्तु शहरी जैव विविधता,
29-वनस्पतियाँ,
30-जीव जन्तुओं की जानकारी दी गई

इसके पश्चात् सामूहिक चर्चा की गई।

प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग,
मेरठ।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग, बहराइच में जैव विविधता सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम

प्रेस नोट संख्या: 59, दिनांक: 28.02.2023

प्रेस विज्ञप्ति

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराइच (उत्तर प्रदेश)

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग बहराइच के मोतीपुर रेंज में दिनांक 28.02.2023 को मोतीपुर इको पर्यटन परिसर में जैव विविधता प्रबन्ध समिति के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ग्राम स्तरीय जैव विविधता प्रबन्ध समितियों (नियोजन एवं विकास समिति) के पदाधिकारी, इको विकास समितियों तथा संयुक्त वन प्रबन्ध समितियों के अध्यक्ष के साथ स्थानीय प्रिन्ट मीडिया तथा उपप्रभागीय वनाधिकारी गिरिजापुरी, वन्य जीव प्रतिपालक कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग बहराइच, क्षेत्रीय वन अधिकारी, मोतीपुर, ककरहा, धर्मापुर, मुर्तिहा उपस्थित रहें। कार्यशाला को उत्तर प्रदेश जैव विविधता बोर्ड लखनऊ के सलाहकार श्री आशुबोध कुमार पंत, वन संरक्षक(से0नि0) द्वारा जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के दायित्व एवं विविधता पंजिका के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताया गया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा, जनपद बहराइच द्वारा कार्यशाला में जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के पदाधिकारियों के दायित्वों एवं जिज्ञासाओं पर विशेष चर्चा कर उद्बोधन किया गया। उपजिलाधिकारी, मिहींपुरवा(मोतीपुर) बहराइच द्वारा जैव विविधता समितियों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अन्त में वन्य जीव प्रतिपालक, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराइच द्वारा कार्यशाला का समापन किया गया।

भोटी-जैव विविधता प्रबन्ध समिति की कार्यशाला में दीपक उपस्थित अधिकारीगण एवं समिति के पदाधिकारी/सदस्यगण

राज्य जैव विविधता प्रबंध समितियों की कार्यशाला आयोजित

मिहींपुरवा, बहराइच 28 फरवरी (भि0टा0सं0)। मोतीपुर रेंज इको परिसर में राज्य जैव विविधता प्रबंध समितियों के क्षमता विकास की कार्यशाला राज्य जैव विविधता बोर्ड के निर्देश पर वन विभाग द्वारा आयोजित की गई जिसमें बोर्ड के सलाहकार आसुबोध कुमार पंत मुख्य अतिथि रहे। इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर वन्यजीवों और पेड़ पौधों तथा परिस्थितिकी तंत्र में मौजूद सभी प्रकार के वनस्पतियों की पहचान तथा उपयोग की जानकारी संकलित करना है जिससे वहां की जैव विविधता का आकलन कर उपयोगी कदम उठाया जा सके। मुख्य अतिथि श्री पंत ने अपने संबोधन में जैव विविधता के वैज्ञानिक और आर्थिक महत्व और उसके संकलन की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। ग्राम समितियों को जैवविविधता रजिस्टर तैयार करने मे सहयोग करने की अपील की। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक डॉ केएम सिंह ने बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के क्रियाकलापों को प्रोजेक्टर से प्रजेंटेशन के माध्यम से समझाया, उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में जाकर समितियों को जैव विविधता रजिस्टर जैवविविधता पंजिका बनाने में सहयोग किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में पेटरहा प्रधान, पूर्व सर्रा प्रधान प्रतिनिधि योगेंद्र मौर्य, परंपरागत खेती के किसान मनीष सिंह, विकास विभाग व ग्राम विकास अधिकारी शाहिद अली अशोक मौर्य, अर्जुन सोनकर, सलीम अहमद, सहित पंचायत अधिकारी पशुधन प्रसार अधिकारी मनोहर लाल गौड़ उपस्थित रहे! कार्यशाला में विशेष तौर पर राजस्व विभाग के उप जिला अधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी व कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ केएम सिंह मौजूद रहे। तथा कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के वन्यजीव प्रतिपालक नम्रता पाण्डेय, उप प्रभागीय वन अधिकारी रमेश चौहान कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग व समस्त क्षेत्रीय वन अधिकारी तथा जंगल के समीप के गांव के प्रधान जागरूक नागरिक एवं किसान गण क्षेत्र के पत्रकार बंधु उपस्थित रहे

जैव विविधता संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यक्रम

टाईम्स ऑफ इण्डिया समूह द्वारा दिनांक 06.01.2023 को पीलीभीत में कछुआ व वेटलैण्ड्स संरक्षण विशयवस्तु पर वाईल्ड लाईफ वॉच सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि श्री बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा मुख्य वक्तव्य में (की नोट एड्रेस) पारिस्थितिकी तन्त्र में वेटलैण्ड्स, कछुओं, मछलियों सहित जीवन के समस्त रूपों के महत्व से अवगत कराते हुए मानव जाति को प्रतिकूल प्राकृतिक प्रभावों से सुरक्षित रखने एवं प्रकृति से प्राप्त हो रहे लाभों की निरन्तरता बनाए रखने में सहयोग देने का अनुरोध किया।

4-जैव विविधता कार्यक्रमों का आयोजन

विश्व पृथ्वी दिवस-2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा दिनांक 22 अप्रैल, 2022 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर धरती के पर्यावरण को सुरक्षित रख कर संतुलित पर्यावरण उपलब्ध कराने का संदेश देने हेतु ''हमारे ग्रह में निवेश करें'' विषयवस्तु पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बोर्ड एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हरित मेले का शुभारम्भ प्रो0 आलोक राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं श्री बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर उशा बाजपेई ने विद्यार्थियों को हरित भवन पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर अमिता कनौजिया, लखनऊ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए घरेलू जल संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं हरित उत्पाद विषय पर कोलॉज प्रतियोगिता आयोजित की। हरित मेले में विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी निकायों ने प्रतिभाग किया। आयोजित कार्यक्रम व प्रतियोगितओं में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

मेढक बचाओ दिवस-2022 (सेव द फ्रागस डे)

मेढक बचाओ दिवस (30 अप्रैल, 2022) के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि श्री बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा पारिस्थितिकी संरक्षण में मेढक सहित विभिन्न उभयचरों, तितली, भौंरे, मधुमक्खी के साथ ही विभिन्न कीट पतंगो की भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रकृति को समेकित रूप से संरक्षित करना तथा इस हेतु सामूहिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता बताई।

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस, 2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा पृथ्वी इनोवेशन्स के सहयोग से माह मई 2022 के द्वितीय शनिवार (14 मई, 2022) को विश्व प्रवासी पक्षी दिवस के अवसर पर महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफार्मेशन एण्ड टेक्नालॉजी, लखनऊ के सभागार में आकर्षक, मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम 'हम पंछी एक डाल के' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति श्री भानुप्रताप सिंह ने किया। मुख्य अतिथि डॉ0 मुनव्वर आलम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, श्री बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर

प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीना कुमार, शिक्षा अधिकारी, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों व पक्षी संरक्षण की दिशा में कार्यरत् संस्थाओं व व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई, 2022) के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 22 मई, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आई.वी.आर.आई., बरेली सभागार में मुख्य अतिथि माननीय राज्य मन्त्री, (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉक्टर अरूण कुमार सक्सेना जी एवं श्री सन्तोष गंगवार जी माननीय सांसद, बरेली ने ***''समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण'' (बिल्डिंग ए शेयर्ड फ्यूचर फॉर ऑल लाइफ)*** विषयवस्तु पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ किया।

डा0 अरूण कुमार सक्सेना, माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार)

इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डा0 अरूण कुमार सक्सेना जी ने कहा कि धरती के पर्यावरण अर्थात् प्राणि व पादप प्रजातियॉं, नदियॉं, वेटलैण्ड, मृदा सहित समस्त सजीव व निर्जीव घटकों को समेकित रूप से संरक्षित कर ही हम धरती को बनाए व बचाए रखने में सफल हो सकते हैं। उक्त के परिपेक्ष्य में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की विषयवस्तु ''समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण'' ***(बिल्डिंग ए शेयर्ड फ्यूचर फॉर ऑल लाइफ)*** अत्यन्त प्रासंगिक है। डाक्टर सक्सेना ने कहा कि प्रदेष में जैव विविधता संरक्षण

व संवर्धन, प्रदेश को हरा–भरा कर स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराने एवं कीट पतंगों, पक्षियों सहित विभिन्न वन्य प्राणियों को भोजन, जल व आश्रय उपलब्ध करवाने के लिए विगत पॉच वर्षों में माननीय योगी आदित्यनाथ जी के युवा, गतिशील व ऊर्जस्वी नेतृत्व में 100 करोड़ से अधिक पौधे रोपित कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया है। माननीय मन्त्री जी ने कहा कि समाज के समस्त वर्गों की सहभागिता से प्रदेश में आगामी पॉच वर्षों में 175 करोड़ पौध रोपित किए जाने हेतु प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेशवासियों विशेषकर महिलाओं, बच्चों व युवाओं को कुपोषण से मुक्त कर रोगों से लड़ने हेतु प्रतिरोधक क्षमता का विकास कर स्वस्थ रखने, पशुओं के लिए चारे व वनाधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाने हेतु विभागीय पौधारोपणों में सहजन, अमरूद, नीम, ऑवला, जामुन, आम, अनार, बेल सहित औषधीय व सुगन्धित, औद्योगिक व इमारती, चारा, शोभाकार एवं पर्यावरणीय महत्व की प्रजातियों के रोपण को वरीयता दी जा रही है। माननीय मन्त्री जी ने कहा कि वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण के परिणाम स्वरूप प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि एवं प्राकृतवास में सुधार के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय पशु बाघ व राष्ट्रीय पशु हाथी की संख्या में वृद्धि हुई है। जैव विविधता व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदेश सरकार के प्रयासों को अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है तथा विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

डाक्टर सक्सेना ने कहा कि पौधरोपण, जैव विविधता एवं वन व वेटलैण्ड्स सहित समस्त पारिस्थितिक तन्त्र का संरक्षण व संवर्धन में योगदान व सक्रिय सहयोग प्रकृति के उपकारों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक सरल उपाय है। उन्होंने प्रत्येक आयु के व्यक्ति से इस दिशा में कार्य कर जैव विविधता सुरक्षित रखने में अपना योगदान प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर माननीय मन्त्री जी ने प्रदेशवासियों का आह्वाहन किया कि ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास'' की भावना के अनुरूप पौध रोपित, सिंचित व सुरक्षित कर एवं प्रदेश सरकार द्वारा जैव विविधता सुरक्षा व वृद्धि हेतु किए जा रहे प्रयासों में सहयोगी व सहभागी बनकर प्रदेश को जलवायु परिवर्तन की दर में वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखने में सहयोगी व सहभागी बनें।

श्री सन्तोष गंगवार माननीय सांसद, बरेली ने अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का विचार विमर्श सम्पूर्ण समाज के लिए उपयोगी व हितकारी है।

सन्तोष गंगवार, माननीय सांसद, बरेली

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी मे अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष, उत्तर प्रदेष राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री मनोज सिंह ने उत्तर प्रदेष में विद्यमान जैव विविधता परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य पारिस्थितिक तन्त्र के शीर्ष पर नहीं अपितु उसका अंग है। विभिन्न अधिनियिमों, नीतियों, योजनाओं व सतत् विकास लक्ष्य सहित जैव विविधता संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए श्री सिंह ने कहा कि व्यापक जन सहभागिता के माध्यम से 'सबका साथ, सबका विकास' का मन्त्र अपनाकर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रह सकते हैं। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने कहा

मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव

कि प्रत्येक व्यक्ति 302 पौध रोपित कर पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो सकता है किन्तु व्यक्तिगत रूप से ऐसा सम्भव न होने की स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान में प्रतिभाग कर सकता है। श्री सिंह ने उत्तर प्रदेश में जैव विविधता रणनीति व कार्य योजना, विरासत वृक्षों का चयन व अभिलेखीकरण, रक्षासूत्र बन्धन कार्यक्रम एवं दृष्य व लक्ष्य का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय धरोहर हाथी व गैण्डों विभिन्न वन्य प्राणियों की संख्या में हुई वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रीमती ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित समस्त अभ्यागतों का स्वागत करते हुए जैव विविधता के महत्व से अवगत कराया। श्रीमती दूबे ने कहा कि जैव विविधता के प्रति अपना दायित्व समझ लेने पर हम सब पृथ्वी को रहने योग्य बना देंगे। मानव 'जैव विविधता का एक छोटा सा अंग है किन्तु जैव विविधता संरक्षण व विनाश दोनो में ही उसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने कहा कि धरती का न कभी विनाश हुआ है न होगा किन्तु मानव, लालच व अदूरदर्शिता के वशीभूत होकर प्रकृति के अनियोजित विदोहन से अपने स्वयं के विनाश को आमन्त्रित कर रहा है। उत्तरकाशी व केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने पर पृथ्वी विनाशकारी परिणाम देगी। मधुमक्खी की परागण में भूमिका का उल्लेख करते हुए श्रीमती ममता संजीव दूबे ने कहा कि हमारे पारिस्थितिक तन्त्र को स्वस्थ व स्वच्छ रखने में प्रत्येक प्राणि व पादप प्रजाति की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्रीमती दूबे ने पर्यावरण को बचाने में वनीकरण की भूमिका एवं एक वृक्ष द्वारा 50–60 प्रजातियों का संरक्षण होने का उल्लेख करते हुए भावी पीढ़ी के सुखद व सुखमय भविष्य हेतु प्रतिभागियों से अधिकाधिक पौध रोपित करने का अनुरोध किया।

बी0 प्रभाकर, सचिव, उ0प्र0रा0जै0वि0बो0

सचिव, उत्तर प्रदेष राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री बी0 प्रभाकर ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की पृष्ठभूमि, उद्देष्य, पारिस्थितिकी तन्त्र में विभिन्न प्रजातियों की भूमिका व निर्भरता एवं जैव विविधता संरक्षण में जन सामान्य की भूमिका से अवगत कराया। श्री बी0 प्रभाकर ने कहा कि समाज के समस्त वर्गो व स्टेकहोल्डर्स की सहभागिता से जीवन के समस्त रूपों की सुरक्षा कर पृथ्वी व मानव का अस्तित्व बनाए रखने में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

शुभारम्भ सत्र के मुख्य वक्ता डॉ0 मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ ने मुख्य वक्ता के रूप में जैव विविधता व जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य निर्माण'' ***(बिल्डिंग ए शेयर्ड फ्यूचर फॉर ऑल लाइफ विद रेस्पेक्ट टु बायोडइवर्सिटी एण्ड चेंजिंग क्लाईमेट)*** पर प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। श्री कपिल कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स ने उद्योगों के सम्बन्ध में जैव विविधता संरक्षण परिदृश्य पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रथम व द्वितीय तकनीकी सत्रों में भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं स्वतन्त्र निदेशक, आर.वी.एल. नई दिल्ली श्री आर.एस. मूर्ति ने समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण, सम्बद्ध पारम्परिक ज्ञान का संरक्षण एवं लाभ के साझेदारी की पहुँच में वृद्धि ***(बिल्डिंग ए शेयर्ड फ्यूचर फॉर ऑल लाइफ एण्ड कंजर्विंग एसोशिएट नॉलेज एण्ड एनहान्सिंग द ए बी एस पोटेन्शियल)***।

श्रीमती शालिनी सिंह विसेन, निदेशक, एमिटी फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउण्डेशन, एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ ने मृदा कार्बनिक पदार्थ के निर्माण में मृदा माइक्रोब्स के लाभ ***(लेवरेजिंग सॉयल माइक्रोब्स टु बिल्ड सॉयल आर्गेनिक मैटर)*** विषयवस्तु पर विचार विमर्श किया।

विभिन्न तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता श्रीमती ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, श्री संजय सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश एवं सह अध्यक्षता श्री कपित कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स व इंडो अमेरिक चैम्बर ऑफ कामर्स लखनऊ सेण्टर श्री मुकेश सिंह द्वारा की गई।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा सृजित प्रसार साहित्य ''***जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम हेतु*** प्रशिक्षण सामग्री'', पर्यावरण कैलेण्डर एवं उत्तर प्रदेश की जैव विविधता पोस्टर का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जैव संसाधन का उपयोग करने वाले व्यापारियों, विनिर्माताओं, जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के पदाधिकारियों व सदस्यों, प्रगतिशील कृषकों, विभिन्न अनुसन्धान संस्थानों व गैर सरकारी सदस्यों के प्रतिनिधियों, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों, कृषि, पशुधन विकास, मत्स्य, उद्यान विभाग एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2022 को आयोजित कार्यक्रम की झलकियाँ

अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस 2022 पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस 2022 के अवसर पर दिनांक 03.09.2022 को सेठ एम0आर0 जयपुरिया स्कूल, लखनऊ के ऑडिटोरियम में आयोजित ''विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव, युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन श्रीमती डिम्पल वर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव, युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन की गरिमामीय उपस्थिति में विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित एवं गिद्ध **(वल्चर)** पुस्तक का विमोचन किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा शिक्षा विभाग के माध्यम से गिद्धों का पर्यावरणीय महत्व विषय पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

निबन्ध प्रतियोगिता में रा0 ह0 ई0 परेहटा की अंशिका, टी0डी0 गर्ल्स इ0का0 की सीमा यादव एवं रा0 बा0 इ0 का0, गोमतीनगर की छात्राओं ने क्रमशः प्रथम, दितीय व तृतीय पुरस्कार एवं अवध एकेडमी की अंशुम पटेल व राष्ट्रीय उ0 अ0 इ0 का0 की हीबा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। नारी शिक्षा निकेतन की ऑचल मौर्य व रा0 बा0 इ0 कॉ0, विकासनगर की कोमल गौतम ने प्रथम, रा0 बा0 इ0 कॉ, मलीहाबाद की मन्तशा व रा0 बा0 इ0 कॉ0, नरही की छात्रा कु0 सौम्या पाल ने द्वितीय, रा0 बा0 इ0 कॉ0, नरही की शुभी व रा0 बा0 इ0 कॉ0, विकासनगर की अनन्या कनौजिया तृतीय एवं रा0 बा0 इ0 कॉ0, इन्दिरानगर की राजरानी तथा रा0 बा0 इ0 कॉ0, गोमतीनगर की आराध्या सिंह को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

उक्त के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बार्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से पोस्टर प्रतियोगिता, ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता एवं प्रोफेसर अमिता कनौजिया का **''गिद्ध पहचान व इसका व्यवहार''** विषय पर व्याख्यान आयोजित किए गए। ऑनलाईन फोटो प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस

ओजोन परत की भूमिका एवं ओजोन परत को क्षरण से बचाने हेतु जन सामान्य को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष 16 सितम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस, 2022 की विषयवस्तु ''पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा हेतु वैश्विक सहयोग'' (ग्लोबल को–ऑपरेशन प्रोटेक्टिंग लाइफ ऑन अर्थ) निर्धारित थी।

सुश्री रिचा चौधरी, मुख्य विपणन अधिकारी शी विंग्स द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस (दिनांक 16 सितम्बर, 2022) के अवसर पर ओजोन परत के महत्व व संरक्षण के प्रति शिक्षित व जागरूक करने हेतु नोएडा में साईकिल रैली, जागरूकता कार्यक्रम तथा मलिन बस्तियों में पर्यावरण मित्र, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता उत्पादों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वन्य प्राणि सप्ताह का आयोजन-01-08 अक्टूबर, 2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा वन्य प्राणियों व जैव विविधता संरक्षण हेतु जन सामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वन्य प्राणि सप्ताह के अवसर पर विभिन्न स्कूलों के छात्र/छात्राओं हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा– वाद–विवाद, पोस्टर, कोलॉज व पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया।

छात्राओं को जैव विविधता के प्रति जागरूक किया जाना

दिनांक 18.05.2022 को राम स्वरूप इंजीनियरिंग कॉलज, लखनऊ में जैव विविधता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन हेतु व्याख्यान दिया गया।

दिनांक 20.10.2022 को कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय, बी0के0टी0, लखनऊ की छात्राओं को जैव विविधता से परिचित कराते हुए जैव विविधता के महत्व, संरक्षण एवं संवर्धन से सम्बन्धित जानकारी देते हुए जैव विविधता संरक्षित करने हेतु जागरूक रहने का अनुरोध किया।

जैव विविधता कैलेण्डर, 2023

माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना ने दिनांक 04.01.2023 को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित जैव विविधता कैलेण्डर, 2023 का विमोचन किया गया।

जैव विविधता कैलेण्डर, 2023 में प्रदेश में विद्यमान वन जैव विविधता, घरेलू जैव विविधता, तितली, मत्स्य, चमगादड़ व लाईकेन विविधता, वेटलैण्ड्स, विलुप्त होने के कगार पर पहुँच गए इंडोपिप्टाडेनिया आउढेंसिस, चमगादड़ व गिद्ध प्रजाति, जौनपुर नेवाड़ मूली, भदावरी भैंस, दुर्लभ आर्किड (यूलाफिया ऑब्ट्यूस), मुजफ्फरनगरी भेड़, राज्य पक्षी सारस, रामनगर जाइंट ब्रिन्जल एवं प्रदेश के विरासत वृक्षों के सम्बन्ध में रोचक व सारगर्भित जानकारी दी गई है। आकर्षक चित्रों से सुसज्जित विभिन्न मासों में मनाए जाने वाले जैव विविधता उत्सवों की जानकारी इस कैलेण्डर को समस्त वर्गों विशेषकर विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक व उपयोगी बनाते हुए उत्तर प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध होगी।

एशियन वॉटर बर्ड सेन्सेस, 2023

दिनांक 22 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, श्री नीरज श्रीवास्तव, मानद, राज्य समन्वयक, ए.डब्लू.सी., उत्तर प्रदेश एवं लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एशियन वॉटर बर्ड सेन्सेस, 2023 के अन्तर्गत विभिन्न वेटलैण्ड्स में पक्षियों की गणना की गई।

बर्ड फेस्टिवल, दिनांक 01 से 03 फरवरी, 2023 का आयोजन

दिनांक एक से तीन फरवरी, 2023 तक विजय सागर पक्षी विहार, महोबा में ''पक्षी एवं प्रकृति उत्सव, 2023'' (बर्ड एण्ड नेचर फेस्टिवल, 2023) के राज्य स्तरीय समारोह में आयोजित प्रदर्षनी में उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा ''जलीय जैव विविधता'' एवं ''पक्षियों का अद्भुत संसार'' विषयवस्तु पर आधारित प्रदर्श मण्डप का अवलोकन मुख्य अतिथि मा0 राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), पर्यावरण, वन, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन उत्तर प्रदेश डा0 अरूण कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उ0प्र0 शासन/अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, श्री मनोज सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश श्रीमती ममता संजीव दूबे, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, समारोह के प्रतिभागियों सहित स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने किया।

विश्व गौरयूया दिवस एवं विश्व तितली दिवस, विश्व मकड़ी दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस (दिनांक 12-21 मार्च, 2023) का आयोजन

12th–21st मार्च, 2023

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं जन्तु विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न जागरूकता दिवस यथा–विश्व मकड़ी दिवस (दिनांक 12 मार्च, 2023), विष्व तितली दिवस (14 मार्च, 2023), विश्व गौरय्या दिवस (दिनांक 20 मार्च, 2023) एवं अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च, 2023) तक आयोजन किया गया। मकड़ी, तितली, गौरय्या तथा अन्तर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस के अवसर पर इनके संरक्षण, महत्ता तथा जन मानस व स्कूल/कॉलेजों के छात्र/छात्राओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों यथा– पोस्टर, कोलॉज, स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्व गौरय्या दिवस एवं विश्व तितली दिवस बड़े उत्साह एवं हर्शोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त आयोजन में विभिन्न स्कूल/कॉलेजों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

5-परियोजना

बोर्ड द्वारा स्वीकृत एवं वित्त पोषित प्रोजेक्ट की वर्तमान प्रगति

निदेशक, फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउण्डेशन, एमेटी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा पत्र दिनांक 04.08.2022 के माध्यम से प्रस्तुत **"Restoration of threatened/endangered wild *Brassica* species in their natural habitat and development of genetic and genomic resources resilient for their abiotic and biotic stresses"** परियोजना के उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र निम्नानुसार है :–

उद्देश्य

- The objective of is to work on the project: **"Restoration of threatened/endangered wild *Brassica* species in their natural habitat and development of genetic and genomic resources resilient for their abiotic and biotic stresses"**

कार्यक्षेत्र

- To implement the project entitled: **"Restoration of threatened/endangered wild *Brassica* species in their natural habitat and development of genetic and genomic resources resilient for their abiotic and biotic stresses".**

परियोजना के अन्वेशकः

- **प्रधान अन्वेशक:** Dr. Shalini Singh Visen, Director, Amity Food and Agriculture Foundation, Amity University, Uttar Pradesh, Lucknow, U.P.
- **सह–अन्वेशक:** Dr. Vineet Awasthi, Assistant Professor, Amity University, Biotechnology, Amity University, Uttar Pradesh, Lucknow, U.P.
  - The project will come out with collection and conservation of wild Brassica germplasm and micropropagtion for rapid bulking up of endangered species for their release into the wild alongwith development of genetic and genomic resources to promote research towards dissecting their climate resilient traits.
  - The project will also deliver a comprehensive catalogue of information of the wild Brassica germplasm with identification of candidate genes associated with agronomic significance/desirable trait(s).
  - निदेशक, फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउण्डेशन, एमेटी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा प्रस्तुत परियोजना की अवधि तीन वर्ष, प्रथम वर्ष का बजट रू0 19.80 लाख एवं तीन वर्ष का कुल बजट रू0 61.15 लाख अंकित की गई है। परियोजना के प्रथम वर्ष में उल्लिखित कार्य व प्रथम वर्ष का बजट रू0 19.80 लाख की सीमा तक अनुमोदित करने हेतु प्रस्तावित किया जा रहा है।
  - अपर मुख्य सचिव, वन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा निम्न प्रस्ताव स्वीकृत किया गया हैः–

"उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के पास उपलब्ध धनराशि के दृष्टिगत वर्तमान वित्तीय वर्ष (2022–23) हेतु रू0 3.00 लाख (रू0 तीन लाख) मात्र की धनराशि स्वीकृत की गई"

6-लक्ष्मी एसोशिएट

चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स

प्रथम तल, वाई एम.सी.ए. कॉम्प्लेक्स, 13 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ–226001
ई–मेल : laxmilucknow@rediffmail.com, दूरभाष : (0522) 4006506

स्वतन्त्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमारे द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड (द बोर्ड) के संलग्न वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया गया। यह वित्तीय विवरण 31 मार्च 2023 की बैलेन्सशीट एवं वर्ष के अंत तक का आय व व्यय विवरण एवं प्राप्तियों व भुगतान का लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों व अन्य विवरणात्मक सूचना से मिलकर बना है।

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप वित्तीय स्थिति, सत्य व निष्पक्ष विवरण बोर्ड का वित्तीय प्रदर्शन दर्शाने वाला ये वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु प्रबन्धन उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में बोर्ड की आस्तियों की सुरक्षा एवं अन्य अनियमितताएं व जालसाजी रोकने व पता लगाने के लिए लागू अधिनियम, उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन व प्रयोग निर्णयों व आंकलनों को तार्किक व विवेकी बनाना, बनावट, पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रणों का रख–रखाव व क्रियान्वयन, लेखांकन अभिलेखों की शुद्धता व पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी परिचालन सत्य व निष्पक्ष विचार देने वाला एवं जहाँ त्रुटि या जालसाजी हो ऐसी सामग्री का त्रुटिपूर्ण विवरण से मुक्त वित्तीय विवरण की तैयारी व प्रस्तुतिकरण में पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव शामिल है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारे अंकेक्षण पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर व्यक्त विचार का उत्तरदायित्व हमारा है।

हम लेखांकन व अंकेक्षण मानकों के प्राविधानों का पालन करते हैं।

वित्तीय विवरण में धनराशि की उद्घोषणा के सम्बन्ध में अंकेक्षण साक्ष्य हेतु प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु अंकेक्षण शामिल है। धोखाधड़ी या त्रुटियों के कारण वित्तीय सामग्री को त्रुटि के खतरों के मूल्यांकन को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक के निर्णय पर आधारित प्रक्रिया का चयन किया गया है।

आंकलन में इन खतरों को ध्यान में रखते हुए अंकेक्षण वित्तीय विवरण तैयार करने में कम्पनी की तैयारियों सम्बन्धित आंतरिक नियन्त्रण, जो सत्य व निष्पक्ष दृष्टि देता है, परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया की बनावट पर विचार करते हैं किन्तु कम्पनी के वित्तीय रिपोर्टिंग एवं इन नियंत्रणों के प्रभावी परिचालन पर

पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रण पर विचार व्यक्त नहीं करते हैं। अंकेक्षण में लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन व प्रबन्धन द्वारा लेखा प्राक्कलन में अपनाई गई तार्किकता को तथा वित्तीय विवरण के प्रस्तुतिकरण के सम्पूर्ण मूल्यांकन को भी शामिल किया गया है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा रखे गए अंकेक्षण साक्ष्य, हमारे द्वारा अंकेक्षण पर प्रस्तुत अपने विचारों के लिए पर्याप्त व समुचित है।

विचार –

हमारे विचार हमारी सर्वोत्तम सूचना में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बोर्ड की आय व व्यय की उक्त वित्तीय विवरण हेतु भारत में सामान्यतया अपनाए गए लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप सत्य व निष्पक्ष एवं वांछनीय है।

(क) हमारे अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु हमारे सर्वश्रेष्ठ विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार समस्त सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण हमारे द्वारा मांगा व प्राप्त किया गया।

(ख) हमारे विचार में बोर्ड द्वारा अभिलेखों का समुचित रख रखाव किया गया है तथा हमारे द्वारा परीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया है।

(ग) इस रिपोर्ट के साथ देखी गई बैलेन्स शीट, आय व व्यय के विवरण अभिलेखों के साथ अनुबन्धित हैं।

दिनांक : 11.09.2023
स्थान : लखनऊ

कृते लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह0 –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

वित्त एवं लेखा

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

31.03.2023 को समाप्त हुए वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां		धनराशि	भुगतान	धनराशि
प्राम्भिक अवशेष :			वेतन और भत्ते	12,62,566
बैंक अवशेष	99,61,016		किराया, दर तथा कर	35,34,990
नकदी बैंक अवशेष	1,839	99,62,855	मैनपावर पूर्ति	26,73,877
			एन.बी.ए. मैनपावर पूर्ति	13,50,000
सहायता अनुदान			वेबसाईट रख रखाव पर व्यय	97,940
राज्य सरकार से कार्पस अनुदान		1,00,00,000	चिकित्सा प्रति पूर्ति	2,04,551
			दूरभाष व इण्टरनेट	79,446
			स्टाफ वाहन	10,14,857
			परियोजना अनुसंधान आँकड़े एकत्रीकरण व अभिलेखकरण	3,00,000
अन्य मद			कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	1,60,556
सावधि जमाओं पर ब्याज	1,11,64,037		आई.बी.डी. पर व्यय	22,00,000
			जागरुकता	41,31,317
वर्ष में परिपक्व सावधि जमा	19,65,90,476		मुद्रण एवं लेखन सामग्री	56,859
बचत खाता से प्राप्त ब्याज	1,16,185		सोसाइटी रख रखाव व्यय	36,192
विज्ञापन प्राप्ति	50,000		कार्यालय व्यय	6,29,868
विविध प्राप्तियाँ	48,542		पी.बी.आर पर व्यय	2,49,432
पुस्तक विक्रय से प्राप्त	16,000		अन्य व्यय	3,18,853
एन.बी.ए. से प्रशासनिक व्यय के लिए प्राप्ति	6,500	20,79,91,740		
संरक्षण हेतु एन.बी.ए. से प्राप्त बेनीफिट शेयरिंग		390		
कार्पोरेट कंपनियों और एन.बी.ए. से प्राप्त बेनीफिट शेयरिंग		23,92,722	समाचार पत्र	7,749
एन.बी.ए. से प्राप्त बी.एम.सी. प्रशिक्षण हेतु		2,00,000	ऑडिट फीस	50,000
एन.बी.ए. से प्राप्त आई.डी.बी. हेतु व्यय		2,00,000	बी.एम.सी. ट्रेनिंग पर व्यय	5,41,650
एन.बी.ए. से प्राप्त मैन पावर हेतु व्यय		13,50,000	सावधि जमा नवीनीकरण	20,94,74,617
आयकर रिफण्ड (धन वापसी)		9,940	बैंक में धनराशि	37,32,427
			बैंक में धनराशि —	37,32,427
		23,21,07,647		23,21,07,647

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/
कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह0 –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते– **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
– ह0 –
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 11.09.2023

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2023 को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय–व्यय

व्यय	धनराशि	आय	धनराशि
वेतन एवं भत्ते	12,62,566	अन्य आय	
किराया, दर तथा कर	35,34,990	सावधि जमाओं पर ब्याज	1,39,73,015
मानव शक्ति आपूर्ति	26,73,877	बचत बैंक से प्राप्त ब्याज	1,16,185
एनबीए मैनपावर	13,50,000	विज्ञापन प्राप्तियाँ	50,000
कार्मिक मेडिकल व्यय	2,04,551	विविध प्राप्तियाँ	48,542
स्टाफ वाहन	10,14,857	एन.बी.ए. से व्यय वापसी	13,50,000
परियोजना	3,00,000	एन.बी.ए. से व्यय वापसी (प्रशासनिक व्यय)	6,500
आईबीडी व्यय	22,00,000	एन.बी.ए. व्यय वापसी जैवविवधता दिवस	2,00,000
बायोडाइबर्सिटी जागरूकता	41,31,317	पुस्तक विक्रय	16,000
वेवसाइट	97,940	वर्ष में ह्रास	26,27,372
दूरभाष व इण्टरनेट	79,446		
कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	1,60,555		
मुद्रण व लेखन सामग्री	56,859		
पीबीआर व्यय	2,49,432		
संस्था रख–रखाव	36,192		
कार्यालय व्यय	6,29,868		
समाचार पत्र एवं प्रतिलिपियां	7,749		
अन्य व्यय	3,18,853		
अंकेक्षण शुल्क	50,000		
ह्रास	28,561		
	1,83,87,614		1,83,87,614

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह0 –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते– **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
– ह0 –
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 11.09.2023

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

तुलन–पत्र दिनांक 31 मार्च 2023

दायित्व		धनराशि	आस्तियां		धनराशि
निकाय कोष			**अचल आस्तियाँ**		
01.04.2022 के अनुसार अवशेष	18,50,00,000		सूची के अनुसार		2,32,248
राज्य सरकार से अनुदान	1,00,00,000	19,50,00,000			
जोड़े : वर्ष के लिए अधिशेष	3,30,39,608		**वर्तमान आस्तियाँ**		
	26,27,372	30,41,22,36	स्रोत पर कर कटौती	4,36,417	
वर्तमान दायित्व			जमानत जमा किराया	4,52,613	
देय अंकेक्षण शुल्क		50,000	भण्डार व पुस्तकें	7,14,910	
लाभार्थियों को वितरण हेतु प्राप्त धनराशि अवशेष दिन 01–04–2022	1,02,96,969		बैंक से प्राप्ति योग्य	72,95,918	88,99,858
यू.एन.डी.पी. परियोजना में व्यय न की गई धनराशि	23,93,112	1,26,90,081	**अंतिम अतिशेष**		
धनराशि वर्ष के दौरान			सावधि अवशेष	22,59,46,458	
यू.एन.डी.पी. प्रोजेक्ट		224	बैंक में जमा	37,32,427	
एन.बी.ए. ट्रेनिंग बी.एम.सी.		6,58,450	नगद उपलब्ध	–	22,96,78,885
		23,88,10,991			23,88,10,991

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/
कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह0 –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते– **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
– ह0 –
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 11.09.2023

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2023 को अचल आस्तियों का विवरण

अचल सम्पत्ति	दर	दिनांक 01.04.2022 की मूल्य	6 मास पूर्व निवेश की गई धनराशि	6 मास पश्चात् निवेश की गई धनराशि	योग	ह्रास	दिनांक 31.03.2023 को मूल्य
एयर कंडीशनर्स	15%	16,175.81			16,175.81	2,426.37	13,749.44
प्रिण्टर	40%	0.97			0.97	0.39	0.58
कम्प्यूटर	40%	121.51			121.51	48.60	72.90
फर्नीचर एवं फिक्सचर	10%	1,83,611.70			1,83,611.70	18,361.17	1,65,250.53
पुस्तकालय की पुस्तकें	15%	15,300.40			15,300.40	2,295.06	13,005.34
इन्वर्टर	15%	1,621.65			1,621.65	243.25	1,378.40
फोटो स्टेट मशीन	15%	14,263.05			14,263.05	2,139.46	12,123.60
फोन	15%	300.51			300.51	45.08	255.44
प्रोजेक्टर	40%	46.21			46.21	18.49	27.73
हार्ड डिस्क	40%	12.12			12.12	4.85	7.27
पंखा एवं साउण्ड सिस्टम	10%	29,213.45			29,213.45	2,921.34	26,292.10
लैपटॉप	40%	141.29			141.29	56.52	84.77
कुल		2,60,808.69	–	–	2,60,808.69	28,560.57	2,32,248.12

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह0 –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते– **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
– ह0 –
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 11.09.2023

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखा टिप्पणियाँ

1. समस्त व्यय एवं आय संचयी आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। सावधि जमा प्राप्त ब्याज से प्राप्त आय को संचयी आधार पर वर्ष की आय की तरह मानते हुए लेखाबद्ध किया गया है।
2. लेखा ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है। लेखांकन/नीतियां सन्दर्भित नहीं की गई हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख नहीं है। लेखा प्रक्रियाओं में सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के साथ निरन्तरता स्थापित है।
3. विभिन्न एजेसियों/विभागों को जैवविविधता सम्बन्धी परियोजनाओं के लिए विषयगत अवधि में किया गया कुल भुगतान सम्बन्धित वर्षों के लिए हुआ व्यय माना गया है, तथा उपयोग हुई वापस की गई धनराशि को जिस वर्ष प्राप्त हुई है उस वर्ष की आय मानी गई है।
4. अचल पूँजी का उल्लेख अधिग्रहण की लागत पर किया गया है।
5. अचल पूँजी पर ह्रास मूल्य डब्लू.डी.वी. आधार पर आयकर अधिनियम में निर्धारित दरों पर किया गया है।
6. भण्डार बंद पुस्तकों का मूल्यांकन लागत मूल्य पर किया गया है।
7. केन्द्र सरकार को वापस लौटाई गई अनुदान की धनराशि वर्ष का व्यय मानी गई है।
8. वित्तीय सारांश

कुल प्राप्तियां			2,29,51,264/–
घटाए :	बोर्ड के उद्देश्यों हेतु प्रयुक्त धनराशि	1,83,59,053/–	
	छूट हेतु अर्ह निकाय अनुदान	1,00,00,000/–	2,83,59,053/–
	15% की सीमा तक धनराशि भविष्य के लिए पृथक् करने पर		54,07,789/–
			–

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह0 –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
स्थान लखनऊ
सदस्य सं. : 71585

कृते– **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
– ह0 –
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 11.09.2023

7-प्रेस विज्ञप्ति

4 दैनिक जागरण बरेली, 23 मई, 2022 बरेली जागरण

पांच साल में 100 करोड़ पौधे रोपित कर सरकार ने बनाया कीर्तिमान, सांसद संतोष गंगवार ने संगोष्ठी को बताया हितकारी

पौधारोपण से बढ़ी हरियाली, पर्यावरण की सेहत में आया सुधार

जागरण संवाददाता, बरेली: जीव-जंतु, वनस्पतियों, नदियों, वेट लैंड व मृदा समेत तमाम सजीव व निर्जीव घटकों को समेकित रूप से संरक्षित कर ही हम धरती का अस्तित्व बचा सकते हैं। जैव विविधता संरक्षण के लिए सरकार ने बीते पांच वर्ष में 100 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपित कर कीर्तिमान बनाया है। इसी की देन है कि बाघ व हाथी सहित अन्य वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि हुई है। उक्त बातें प्रदेश के पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार ने कहीं। वह रविवार को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने अन्य अतिथियों के साथ गोष्ठी का शुभारंभ भी किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते वन राज्य मंत्री डा. अरुण कुमार व मंचासीन लोग ● जागरण

उन्होंने कहा कि सभी इस मुहिम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने संगोष्ठी पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे पूरे समाज के लिए उपयोगी बताया। डा. मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, कपिल कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स, भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आरएस मूर्ति आदि ने भी अपने विचार रखे। मुख्य वन संरक्षक ललित कुमार वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी समीर कुमार भी मौजूद रहे।

आइवीआरआइ में रविवार को जैव विविधता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद लोग ● जागरण

अगले पांच साल में रोपित होंगे 175 करोड़ पौधे

वन राज्यमंत्री ने कहा कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से प्रदेश में आगामी पांच वर्षों में 175 करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे। इसमें सहजन, अमरूद, नीम, आंवला, जामुन, आम, अनार, बेल सहित औषधीय व सुगंधित औद्योगिक व इमारती, चारा, शोभाकार एवं पर्यावरणीय महत्व के पौधों को वरीयता दी जाएगी।

केदारनाथ आपदा का किया उल्लेख

संगोष्ठी में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष ममता संजीव दूबे ने कहा कि धरती का न कभी विनाश हुआ है, न होगा। मानव, लालच व अदूरदर्शिता के वशीभूत होकर प्रकृति के अनियोजित दोहन से स्वयं के विनाश को आमंत्रित कर रहा है। उत्तरकाशी व केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने पर पृथ्वी विनाशकारी परिणाम देगी। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी- प्रभाकर ने संगोष्ठी के उद्देश्यों की जानकारी दी।

---

31 तक नहीं कराई ई-केवाईसी तो रुक जाएगी 11वीं किस्त

बरेली। जिन किसानों ने अपने खाते की ई-केवाईसी नहीं करवाई है, उनके खाते में सम्मान निधि की 11 वीं किस्त नहीं आएगी। 31 मई से पहले ऐसे किसान ई-केवाईसी जरूर करा लें।

जिले में 5.02 लाख किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पा रहे हैं। अब तक 3,26,300 किसानों ने ई-केवाईसी कराई है, जबकि 1.75 किसानों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पा रहे किसानों के लिए ई-केवाईसी कराए जाने का एक सप्ताह का समय रह गया है। 31 मई के बाद उनकी किस्त रुक जाएगी। कृषि विभाग की ओर से लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी धीरेंद्र चौधरी ने बताया कि महीने के अंत तक जो किसान इसे नहीं कराएंगे, उन्हें अपात्र मानते हुए सम्मान निधि की वसूली की जाएगी। जिले के किसानों की ई-केवाईसी की जा रही है। अभी तक 35 फीसदी किसानों ने ही ई-केवाईसी कराई है। इसलिए बड़ी संख्या में किसान पीएम किसान सम्मान निधि की 11 वीं किस्त से वंचित हो जाएंगे।

जैव विविधता संरक्षण का मतलब सबका साथ सबका विकास

वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. अरुण कुमार ने कहा-पांच साल में प्रदेश के वनावरण में हुई वृद्धि

अमृत विचार, बरेली

वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. अरुण कुमार ने कहा कि धरती के पर्यावरण यानी प्राणी और पादप प्रजातियों, नदियां, वेटलैण्ड, मृदा समेत तमाम सजीव और निर्जीव घटकों को समेकित रूप से संरक्षित कर धरती को बनाए और बचाए रखने में सफल हो सकते हैं। जैव विविधता संरक्षण और संवर्धन, स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराने एवं कीट पतंगों, पक्षियों सहित विभिन्न वन्य प्राणियों को भोजन, जल व आश्रय उपलब्ध करवाने के लिए पांच सालों में राज्य सरकार 100 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपित कर चुकी है। इससे प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि हुई है। प्राकृतवास में सुधार के परिणाम हैं कि बाघ और हाथी की संख्या बढ़ी है। सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास भावना के जरिए जैव विविधता संरक्षण में सहभागी बना जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आईवीआरआई सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। ''समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण'' विषय पर बरेली में पहली बार हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद संतोष गंगवार ने जैव विविधता पर विचार विमर्श को पूरे समाज के लिए उपयोगी और हितकारी बताया। डा. मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, कपिल कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडो अमेरिकन चैम्बर आफ कामर्स, भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आरएस मूर्ति ने विचार रखे। मुख्य वन संरक्षक ललित कुमार वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी समीर कुमार भी मौजूद रहे।

आईवीआरआई में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर प्रसार साहित्य का किया गया विमोचन। ● अमृत विचार

- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जैव विविधता पर विचार विमर्श को पूरे समाज के लिए उपयोगी बताया
- जैव विविधता दिवस पर आईवीआरआई में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ
- मानव जैव विविधता का एक छोटा सा अंग मात्र है

पौधे रोपकर धरती के ऋण से हो सकते हैं मुक्त

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि हमारा 500 लाख टन आक्सीजन उत्सर्जित करने का लक्ष्य है। जलवायु परिवर्तन से लड़ना है तो मिलकर काम करना होगा। प्रत्येक व्यक्ति 302 पौधे रोपित कर पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो सकता है। अगर वह ऐसा नहीं कर पा रहा है तो वन विभाग के पौधरोपण अभियान में हिस्सा ले सकता है।

मानव अपने ही विनाश को बुलावा दे रहा है

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दूबे ने कहा कि मानव जैव विविधता का एक छोटा सा अंग है। धरती का न कभी विनाश हुआ है न होगा, लेकिन मानव अपनी लालच और अदूरदर्शिता के चलते प्रकृति के अनियोजित विदोहन से स्वयं के विनाश को बुलावा दे रहा है। एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने पर पृथ्वी विनाशकारी परिणाम देगी। उन्होंने मधुमक्खी की परागण मे भूमिका बताते हुए कहा कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र को स्वस्थ और स्वच्छ रखने मे प्रत्येक प्राणी या पादप प्रजाति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी प्रभाकर ने कहा कि सहभागिता से जीवन के समस्त रूपों की सुरक्षा कर पृथ्वी और मानव का अस्तित्व बनाए रखने मे सफलता प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधानों व स्थानीय लोगों की प्रबंध समिति होगी तैयार

हर क्षेत्र में तैयार किया जाएगा बायो डायवर्सिटी रजिस्टर

बरेली। जैव विविधता संरक्षण को विशेषज्ञ बेहद नया विषय मानते हैं। उनके मुताबिक इस पर संगोष्ठियों से बाहर निकलकर आम जन के साथ बात करना बेहद जरूरी है। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है यहां कुछ न कुछ अलग मौजूद है। फिर चाहे वहां की औषधियां, कीट पतंगे, फसलें, पशु, पक्षी ही क्यों न हों। इनका लेखा-जोखा रखने के लिए प्रबंध समितियों का गठन कर एक बायो डायवर्सिटी रजिस्टर तैयार किया जाएगा। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने बताया कि बढ़ती मानव जनसंख्या के कारण जैविक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है। अतिशोषण दुनिया भर मे बहुत सारी जैविक प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। बढ़ती ग्रामीण बेरोजगारी, उन्नत शोषण विधियों का विकास तथा अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण ने बहुत सी प्रजातियों को विलुप्ति के शीर्ष पर पहुंचा दिया है। इसलिए जैविक प्रजातियों के संरक्षण को हर गांव में एक प्रबंध समिति का गठन होगा जिसकी जिम्मेदारी ग्राम प्रधानों और क्षेत्रीय लोगों को दी जाएगी।

प्रसार साहित्य का किया गया विमोचन

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा तैयार किए गए प्रसार साहित्य, पर्यावरण कैलेंडर एवं जैव विविधता पोस्टर का विमोचन किया। संगोष्ठी में जैव संसाधन का उपयोग करने वाले व्यापारियों, विनिर्माताओं जैव विविधता प्रबंध समितियों के पदाधिकारियों और सदस्य प्रगतिशील कृषकों, विभिन्न अनुसंधान संस्थानों व गैर सरकारी सदस्यों के प्रतिनिधियों, कृषि, पशुधन विकास, मत्स्य उद्यान विभाग, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

the GO for single-
ery was issued in

Pilferage of subsidised ...
grain has been a known phe-
nomenon in UP that was rocked

involved in lifting and handling
the grain.

AIL INMATE
S FROM
)SPITAL

: An undertrial made
ape from SRN hospi-
e was admitted for
1 Sunday. The pris-
utside the ward on
f taking a walk and
ay in the morning.
1 duty give him a
he could not be

der has been sus-
negligence and
on to trace the pris-
and jail officials said.
g to reports, hailing
pur Magaiti village,
1 (33) was arrested in
21 in a case of gang
d at Civil Lines police
nior Superintendent
ntral Jail PN Pandey
was suffering from
d other problems.
he was admitted to
l on the advice of
il hospital. Deepak
the ward on third
old building of the
d two cops were
re to guard him.
rted that Deepak
he ward on pretext
walk on Sunday
d ran out of the
denly.
naged to dodge the
HTC

'Govt will plant 175 cr saplings in next 5 yrs'

State forest minister Arun Kumar Saxena and Bareilly MP Santosh Gangwar in a national seminar organised on the Biodiversity Day at Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Bareilly, on Sunday. SOURCED

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: A national seminar on "building a shared future for all life" was organised on the Biodiversity Day at Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Bareilly, on Sunday. State forest minister Arun Kumar Saxena and Bareilly MP Santosh Gangwar were also present on the occasion.

Addressing the gathering, minister Saxena said in the past 5 years the state had planted a record 100 crore saplings. "In the next five years, the state government has decided to plant 175 crore saplings," he added.

Additional chief secretary, environment, Manoj Singh said each person should plant 302 saplings in their lifetime and if they were unable to do so individually, they could participate in the plantation drive of the forest department.

The speakers said efforts from one and all were required to save the earth and the environment by saving rivers, wetland and soil. During the event, an environment calendar and biodiversity poster were also released.

...जानकारी होगी। | - बी प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश जैव...

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भविष्य की खातिर करें जैव विविधता संरक्षण

बरेली, कार्यालय संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आईवीआरआई सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। 'जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण' विषय पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए जैव विविधता संरक्षण की ओर सबको कदम बढ़ाने होंगे।

वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि बेहतर पर्यावरण के लिए हमें पौधरोपण को बढ़ाना होगा। प्रदेश के जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि मनुष्य भी पारिस्थितिक तन्त्र का एक अंग है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति 302 पौध रोपित कर पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो सकता है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष ममता संजीव दुबे ने कहा कि जैव विविधता के प्रति अपना दायित्व समझ लेने पर हम सब पृथ्वी को रहने योग्य बना देंगे। जैव विविधता के संरक्षण और विनाश दोनों में मानव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने के कारण ही उत्तरकाशी व केदारनाथ में प्राकृतिक आपदा आई। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी प्रभाकर ने कहा कि समाज के समस्त वर्गों व स्टेकहोल्डर्स सहभागिता से जीवन समस्त रूपों की सुरक्षा कर पृथ्वी व मानव का अस्तित्व बनाए रखने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। 'जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण सामग्री', पर्यावरण कैलेण्डर एवं उत्तर प्रदेश की जैव विविधता पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक ललित वर्मा, वन संरक्षक विजय सिंह, डीएफओ समीर कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

आईवीआरआई सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी पर विचार व्यक्त करते वक्ता।

जैव विविधता को बचाने की आवश्यकता

बरेली। बरेली कॉलेज के बीबीए विभाग में पीजी फोरम ने जैव विविधता पर कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों ने पोस्टर, कोलाज और पावरप्वाइंट प्रस्तुति के जरिए अपनी बात रखी। कॉलेज कोऑर्डिनेटर डॉ. राजीव यादव और विभागध्यक्ष डॉ. अतुल यादव ने जैव विविधता को बचाने पर जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय गिद्ध दिवस | निबंध के माध्यम से छात्राओं ने बताए गिद्धों के संरक्षण के उपाय

पीपल, बरगद के पौधे लगाकर करें गिद्धों का संरक्षण

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लगातार विलुप्त हो रहे गिद्धों के चलते हमारे पर्यावरण पर काफी असर पड़ा है। यदि इनका संरक्षण करना है तो इसके लिए हमें अधिक संख्या में वृक्षों को लगाना होगा। ये संदेश राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विश्व गिद्ध जागरूकता दिवस से पहले शुक्रवार को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिए।

इस प्रतियोगिता में शहर के 32 विद्यालयों के 69 छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनाशीलता से गिद्धों के संरक्षण पर निबंध लिखे। सीनियर और जूनियर संवर्ग के बीच हुई प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेन्द्र तिवारी शनिवार को गोमती नगर स्थित जयपुरिया स्कूल के सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित करेंगे। राज्य जैव विविधता बोर्ड की भी इस समारोह में सहभागिता है। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक पूनम शाही और विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. शशि कला राय उपस्थित रही।

प्रतियोगिता के दौरान मेधावी छात्राएं और मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार, साथ में सह जिला विद्यालय निरीक्षक पूनम शाही।

ये बच्चे होंगे सम्मानित

जूनियर संवर्ग (कक्षा 9 व 10): राजकीय हाईस्कूल परेहटा की अंशिका, टीडी गर्ल्स इंटर कॉलेज की सीमा यादव, गोमती नगर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की नेहा गुप्ता, अवध एकेडमी के अंशुम पटेल और राष्ट्रीय उद्योग आश्रम इंटर कॉलेज मटियारी की हीबा।

सीनियर संवर्ग (कक्षा 11 व 12): नारी शिक्षा निकेतन की आंचल मौर्या, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, विकास नगर की कोमल गौतम, मंतशा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मलीहाबाद की सौम्या पाल, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नरही (जियामऊ) कुमारी शुभी, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज विकास नगर की अनन्या कन्नोजिया, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इंदिरा नगर की राजरानी और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोमती नगर की आराध्या सिंह।

विलुप्तता की कगार पर पहुंचे गिद्ध

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। आज गिद्ध हमारे बीच से विलुप्तता के कगार पर हैं, इस का सबसे बड़ा असर पर्यावरण पर पड़ा है। लगातार इनकी घटती हुई संख्या का कारण क्या है और इनकों कैसे सरंक्षित किया जा सकता है इस पर शुक्रवार को पहली एक बड़ी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इसमें दस उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा।

ये निबंध प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी प्रभाकर के निर्देश पर संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में आयोजित होगी। इस बारे में जानकारी देते हुए मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेशक कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजधानी के अलग-अलग विद्यालयों से कक्षा आठ से लेकर 12 तक बच्चे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का आयोजन दो सितंबर को गोमती नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में किया जायेगा। पहली बार इस तरह के हो रहे आयोजन के लिए मंडलीय विज्ञान प्रगित अधिकारी डॉ दिनेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रथम राकेश कुमार व जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय दिनेश कुमार सिंह राठौर,निरीक्षक आंग्ल भारतीय विद्यालय रीता सिंह,सह जिला विद्यालय निरीक्षक पूनम शाही को समन्वयक बनाया गया है।

आज कक्षा आठ से लेकर 12 तक छात्र पहली बार आयोजित होने वाली निबंध प्रतियोगिता में देंगे जवाब

मेधावियों का सम्मान आज

दो सितंबर की प्रतियोगिता में चयनित दस मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा। अधिकारियों ने बताया कि कक्षा 8 से कक्षा 12 तक छात्र छात्राओं के मध्य गिद्धों का पर्यावरणीय महत्व शीर्षक पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन करवाते हुए निबन्ध प्रतियोगिता के उत्कृष्ट दस छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

वेबसाइट : http://www.upsbdb.org | ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com